A-0217

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL–301

Bachelor of Arts (BA)

(काव्य दर्शन एवं व्याकरण)

3rd Year Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी **दो** श्लोकों की सन्दर्भ सहित विस्तृत व्याख्या कीजिए :

(क) क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते।

क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परन्तप॥

(ख) न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।

अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो-न हन्यते हन्यमाने शरीरे॥

(ग) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।

न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

(घ) अव्यक्तोऽयमचिन्त्योऽयमविकार्याऽयमुच्यते।

तस्मादेवं विदित्वैनं नानुशोचितुमर्हसि॥

2. अम्बिकादत्त व्यास का जीवन-परिचय देते हुए शिवराज विजय के प्रथम निःश्वास की कथावस्तु का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

3. आत्मा की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. विसर्ग संधि को परिभाषित करते हुए उदाहरण के माध्यम से हल् संधि से उसका भेद लिखिए।

5. 'गुरु' एवं 'हरि' शब्दों का रूप सभी वचनों एवं सभी विभक्तियों में लिखिए।

अथवा

अनुमान प्रमाण का लक्षण बताते हुए सोदाहरण समझाइए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. "अथ कालक्रमेण सप्ताशीत्युत्तरसहस्रतमे (1087) वैक्रमाब्दे सशोकं सकष्टञ्च प्राणाँस्त्यक्तवति महामदे, गोरदेशवासी, कश्चित् शहाबुद्दीन नामा प्रथमं गजिनीदेशमाक्रम्य, महामदकुलं धर्मराजलोकाध्वन्यध्वनीनं विधाय, सर्वा:प्रजाश्च पशुमारं मारयित्वा, तद्रुधिरार्द्रमृदा गोरदेशे बहून गृहान् निर्माय चतुरङ्गिण्याऽनीकिन्या भारतवर्षप्रविश्व, शीतलशोणितानप्यसन् पञ्शदुत्तर द्वादशशतमितेऽब्दे (1250) दिल्लीमश्वयाम्बभूव"। प्रस्तुत गद्य खण्ड की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

2. कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूमा ते संगोऽस्त्वकर्मणि। संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

3. शिवराजविजय के अनुसार शिवाजी का चरित्र-चित्रण लिखिए।

4. तर्कसंग्रह में वर्णित प्रत्यक्ष प्रमाण का निरूपण कीजिए।

5. अन्नभट्ट का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए।

6. जगत शब्द का रूप लिखिए।

7. पाधातु का रूप सभी पुरुषों और वचनों में लिखिए।

8. पदान्ताद्वा सूत्र का उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

****